THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.

BB—1971—265-146

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

MICROFILM PROJECT MBB — 11

- 1973 - 1265
lm strip number

50
2. Scurce

GURUAJNA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

+ 880 = A.D.
in which MS was copied
ali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

PALI PAPER
ial (Palm leaf, etc.)

ANCIENT NEWARI
8. Script

cm. x 15 cm.

6
10. Lines to a page

(16 - 43)
r of leaves in complete

12. Missing leaves

and Date of composition
ven)

14. Number of Chapters

Some Tantric practices on arts worldcraft
s

ॐ नमः सिद्धि गुरु अक्षा साचि कुरु मम सान्निध्यं कुरु कुरु स्वाहा॥ ॐ
नमः सिद्धि गुरु अक्षा साचि कुरु मम सान्निध्यं कुरु कुरु स्वाहा॥

॥ ॐ नमो लोए सव्व साहूणं ॥ एसो पंच नमुक्कारो सव्व पावप्पणासणो ॥
मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं ॥ ॐ सर्व मङ्गल मङ्गल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते स्वाहा ॥ ॐ नमो अरिहंताणं ॥ ॐ नमो
सिद्धाणं ॥ ॐ नमो आयरियाणं ॥ ॐ नमो उवज्झायाणं ॥ ॐ नमो लोए सव्व साहूणं ॥
ॐ ह्रीं नमो अरिहंताणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो सिद्धाणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो
आयरियाणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो उवज्झायाणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो लोए
सव्व साहूणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो नाणस्स ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो दंसणस्स
ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो चरित्तस्स ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो तवस्स ह्रीं नमः ॥
ॐ ह्रीं नमो गोयमस्स ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो जिणवाणीए ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं
नमो बंभीए ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो सुयदेवयाए ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो
सरस्सईए ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो सव्व सिद्धाणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो
सव्व साहूणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो सव्व तित्थाणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो
सव्व तित्थयराणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो सव्व सिद्धाणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं
नमो सव्व साहूणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं नमो सव्व तित्थाणं ह्रीं नमः ॥ ॐ ह्रीं
नमो

यथा॥ ॐ नमो भगवते महाबले पराक्रमाय महाविद्याराज्ञि
जगत्प्रसविनि हुं फट् स्वाहा॥ विद्यासाधनम्
कथा॥ ॥ॐ ह्रीं क्रौं क्रैं साधय॥ ह्रीं नमो सर्वज्ञ॥ आत्म॥ विघ्न॥ १७
॥स्थानजपन्यासविधि॥ मिसावसाधय॥ ॥श्रीनाथसमर्पयामि
॥ॐ नमो वज्रछाटिके॥ ॐ ॐ वज्रछाटिके॥ मंत्र॥ ॐ मुक्तागंगी
शीद्विगुणजाप॥ आत्म॥ विजयन्यासविधि॥ मिसाधनाय

नमः ॥ ॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लूं ग्लौं द्रां द्रीं क्लीं ब्लूं स्त्रों ग्लौं ॥ क्लीं ब्लूं
वेगाकर्षणि स्वाहा ॥ त्रिभुवनवशंकरि स्वाहा ॥ त्रिभुवनोन्मादिनि स्वाहा ॥ सर्व
जनसम्मोहिनि सिद्धि गुरु ॥ अनङ्ग ॥ कुसुमे ॥ मिथुनमेक
॥ चित्तभवनेशी भव मिसवशयास्वाहा ॥ ॥ गुरु ॥ सिद्धि
गन ॥ ॐ गवाक्षि देविश्वावानकूमानी ॥ वानवृक्षायनि अग्निदः
वि. यिणिमा नाद्यि वि. ॐ वक्रदवि. अकावात्रिदविवंचमरु

यानि॥गुरु आज्ञा॥थम्भन या न या व॒ आ कवचया य॥का भी वा
दि वि थ ना वि क्रा य मा व॥व ज्रो गि वि थ ना वि क्रा य मा व॒ नि:
व य ज्रो ऊँ ४॥क व च म न्त्र सि द्धि॥ ॥ॐ स्व ड्ढ ज ण व क ह्रीं
रु य स॥व स व च सि द्ध॒ कि मा को ला नि स्वा हा॥ध्व ज॥सि द्धि क
व च मा नि न म॒ य॥ ॥ॐ ज्र ग नि॥अं ग च वि स्वा हा॥ध्व ०॥थ म
न्त्र॒ न ज ण न या व च्चा वि ग न ति य॥नी वि य नि व न्त का व॒ कु ल यं म॒ मा न
॥ ॥१॥ ॥ॐ वें ऊँ ४ मं कं तं ह्रीं मं क्रीं वि स्वं ना स्त्रा य॥ध्व ०॥थ म्भ

न.वा.ग.या.य.ङ्.प.भ.व.ढ.२.मं॥ ॥ॐ.ह्रीं.हिं.ह्रीं॥व.द.य.या.ध.न
का.य.त्र.च.क्र.या.रु.य.स॥ आ.ख.न.सा.य.स॥ ढ.ग.ङ.श.व.का.व॥ स्व.श्व
श्व.या॥ ग.श्र.य.म.क्ष.ध॥ त्र.या.ग.भ.य॥ त्रा.श्र.य॥ ॥ॐ.का.क्रा.क्रीं
कें.ध.नि.चा.ल॥ श्र.न.ल॥ का.श्रो.त्र.को.ख.दा.य.क॥ का.ख.न.न.या.
खि.द.य.क॥ ॥ॐ.किं.नि.कू.ना.कि.सि.ना.स॥ कि.मि.ध.नि.सा.दै.
रू.प.स्वा.ल॥ श्र.न.ल॥ कि.मी.या.वा.थ.सु.य.ना.ख.मा.न.क॥ ॥यं.वं
वें.क्रों.रुं.यं.वं.शं.मिं.संदं.ल॥ वं.गों.ङं.ञिं.वं.वं.की.में.ल्वें.मं.त्र

मास्वाहा॥ ॐ नमः संखाया थायस्तनेया गा डयनयाना खव
नाम नयवनस्वायुचि डयनयाव नयेवास वनसवा सा या
कोंयं॥ युनजाक्षा॥ ॐ नमः विकन डयनयाव यतस्या॥ वि
वित्त॥ ॥ ॐ सिद्धियुनजाक्षा॥ यछिरा विकन डयनयथ॥
विविधया॥ ॥ ॐ कायानसि॥ ॐ नमः स्वाहा॥ ॐ नमः॥
थमनुन॥ डयनयावेश्या विमनतिय नाविधिं वानकाव

॥ ॥ ॐ श्री यंत्रराजाय ॥ ३ ॥ ॐ कों मों त्रैं श्रीं ह्रौं ह्रौं ॥ दशम्यां ह्रीं
॥ यंत्र ॥ ॥ मम पूर्वमनुष्ठानागतार्थं नमः ॥ ॥ ॐ ह्रीं ग्रुं त्रैं ग्रहीं
॥ नमः नां नीं वां वैं यं नां त्रीं निं नं नां नीं नां ॥ सकलग्रहादिकृतबाधाः
शमनकरणसमर्थाः ॥ यंत्र ॥ ॥ क्रियाः ॥ ॥ ॐ ह्रीं क्रीं श्रीं हिरण्य
स्रजे ॥ मंत्र २ ॥ श्रमनुनऊपत्रयावः ॥ ॐ यंत्रराजाय यंत्रराजाय नमः
गुप्तयंत्रऊपयंत्रयः ॥ कृत्रिमकृतानिष्टयाः ॥ ॥ यिक्रोंयंत्रयोर्वसः
नः ॥ ॥ ॐ कैं छैं ह्रौं कं निं दंयं वंसों कं ॥ यंत्र ॥ नाम ऊपयंत्र

ॐ पव॥को खा यके॥ धन व वया॥ ॥ न सि हा॥ स्फि हा॥ वा म
चि का हा॥ अ स्वा हा॥ सि द्धि यु र्ज्ञ स्फा॥ ॐ न म॥ को क न म स्य स
र्वा य म न्त्र य॥ ॥ मा सा सू य हृ स्व ए स्वा हा॥ ॐ न म॥ थ म क न
य न म स्य य क न ज य न या व॥ सू य॥ श्री ग व सा य डी यूं॥ स्व व २०
हि न व स्य श्री हा॥ ॐ न म॥ सि व य ज य न या व मि सा क व के॥ व
सा य य॥ ॥ सा सा व च स्व न को हि क फे॥ सि द्धि यु र्ज्ञ स्फा॥ ॐ नः
न म॥ ज मि सा न या हि छि य क्ष द्धि क्ष स्व ए वा य व॥ य न स वि

या॥क्षडंपत्रयावदिया॥क्षादद्भिवाय॥ ॥ॐ श्रीत्रीकर्ब्यस्
त्रनास॥क्षत्र०॥सूचयूयस्वक्॥ ॥ॐ कासि॥विवायूहिश्रा
मूकिमोथवाहा.ददिमक्रमाजेहा.कसिश्रवसिसीन॥क्षत्र०
॥वास्याकयाभोत्रस्याकयास्वक्॥ ॥ॐ त्र कीमायात्रमालः
कलाछदरहविवमावा॥थेवानिगुनि॥ढथरुतखाहा॥क्ष
त्रड॥वेतसूयया॥ॐ यच्छहाक्रमिदेववसायूा क्षत्र०॥त
साकात्रइआवयाढव॥कारवायक्रु॥थमनववया॥ ॥ॐ त्र

ॐ ज्ञानतिनाम मा वक्रजाङ्घा स्वाहा ॥ अवतु ॥ वकनङ्घयवयं ॥ थमक्रुन
॥ भवनमखूयाढया ॥ कोथयज्ञा ॥ ॥ २ॐ दंदंदंस्वाहा ॥ अव
३ ॥ थमक्रुन ॥ कंगमवसमङ्घाय ॥ जागीयानामघोय ॥ कंगानङ
यनमाव कोथानसयानचियाव कोखायकंकानपवयानकोय
नीलाढ ॥ ॥ २सवीसवीसवी ॥ यिसायस्वाहा ॥ गुरुअक्षा ॥ अव
३ ॥ थमक्रुन यिछियता ॥ ॥ २थीगुरुअक्षा ॥ यिछियवकनङ
घेनय ॥ दिदियता ॥ ॥ २नमिलासमिला ॥ यिनलिकाहा ॥ हाहं

सिद्धि.सिद्धिय.त्र.अस्त्रा.भ्यन.ठ॥ ॐ.कनसय.सत्रायमकुत्र॥
॥ ॥ॐ.कुँ.ठे.इय॥ऊ.त्र.सा.य.२॥पिं.नस्त्रा.ला॥.भ्यत्र.२॥थ.म.कुत्र.व
ता.म.त्रा.ख.त.या.व.थि.त.काय.ः॥ ॥ॐ.कुँ.यु.त्र.अस्त्रा॥कुँ.ढ.वा
वाऽऽऽ.त्र.गत.व.त्र.त.स्त्र.स्त्रा.ला॥.भ्यत.ठ॥.थ.म.कुत.न.सिद्धि.य॥
सि.द्ध.त.घा.त्र.स.थ.थि.य॥ ॥ॐ.ठी.यु.त्र.अस्त्रा॥.घ.त.घ.त्र.
गु.य.का.त्र.कुं.त.त्रे.ध.वा.पं.ह.ती.मा.थ॥.भ्यत्र.३॥ॐ.सि.द्ध.ऋषि.
न.वा.गा.व॥.ह्रद.वा.त.त्र.वा.ढ.या॥.म्र.य.ऊ.य.ता॥.म.कु.त्र.व.त्र.य.ः

॥ ॥ ॐ नमो विनायकेभ्यः ॥ ॐ नमो विघ्नेभ्यः ॥ सर्वदुष्टेभ्यः ॥ ॐ
नमः सर्वमन्त्रेभ्यः सर्वतन्त्रेभ्यः सर्वयन्त्रेभ्यः ॥ सर्वेभ्यः ॥ सर्वदिग्भ्यः
सर्वतीर्थेभ्यः सर्वपुरुषेभ्यः ॥ ॥ ॐ गुरवे ॐ ॥ सिद्धिगणेभ्यः ॥ रुद्रः
वरदेवि ॥ वरकामदेवि ॥ वरब्रह्मायणि ॥ अग्निदेवि ॥ २२
विधिमातादेवि ॥ वरुणदेवि ॥ ऋक्षायणिदेवि ॥ यक्षसु
रुवाणि ॥ गुरवे ॐ ॥ क्षमस्वयजमान ॥ क्षकवचयाय ॥ क्षमा
क्षदेविक्षनाविक्षायमान ॥ वज्रजातिनिक्षनाविक्षायमान ॥

तिवय इमा ॐ जी गुरु ज्ञा ॥ थ मन्त्र थो ल थ ॥ ॥ थ ण ढ य
व स व ण ॥ क्ष ि व ा न स या ॥ ा स नो या व व स व न स व ा च क ॥ ७ ॥
॥ ॐ ॥ क्ष न ढ ा क्ष या क्ष र्यी क्ष य न र्ं या य ॥ ७ ॥ ॥ ॥ थ ा म व व ण स या
य ा नि या व न क ज ा व न म ा व व य म ल्या ४ २ ॥ ॥ ॥ व ज ा व ा व
या ण या न चि या व न ल्ल स या न क ा व ज नि ख स र्भ्व क्ष या ढ व क
क्ष म ा व व य म ल्या व्य क ॥ ॥ ॥ ॐ न म ४ सू र्यो स ॥ गु रु ज्ञ
ल्ला ॥ ॐ म क्ष म छ न म व धि २ गु रु व ं व व ग गु रु व ा क ॥ सि धि क्ष म ः

ॐ जानि कवच कावच हर ह्रां ध्यान ॥ विजय यंत्र के मिसाया नाम
क्रिथन ॥ वसि सिद्धि ॥ ॥ मिसाया मनवा न के याता ॥ ह्रय दि
ॐ नाव स्व व स्व स मिसाया ना मया य ना म स्व वा सा ने न ॐ सौं
मया व ॥ ध्म नु ज य त्र य ॥ १ ॐ ह्रीं ग व [illegible] ॐ ह्रदय मे ॐ म क
व स मा न या स्वा हा ॥ ध्यान १००८ ॥ ज य त्र यं ॥ १ ॐ यं दि रा ॐ द वि
ॐ म क वा ञ्जि नी न मा के स्वा हा ॥ ७ का मन थि य ञ्जि ञ्जि स्वा न २
ह्रय स दे या ना व ध व ज मन न स्यं लिंग स याद मिसाया के

कामदवडर्थंकवाढमिसानमोनमःमनिव॥ ॥२ॐनमः
कामदवयनमःनमदयनमःभाकयनमःकमकीकीलालाथम
ॐनमःहानमोढावऊयनमःकः॥ क्षत्र३॥मिनीमिसानीव
ज्ञानामक्रिथंनमाय॥ ॥२ॐमभाकवायस्विमहंकंदयाः
यथीमलमःक्रोकामपुत्रोदयाः॥थमिसायागमयजी॥थमः
कनमिसायादयनयाकचित्रमोढावऊयनयाकनामक्रिथंढा
वमिसाडहोम॥क्षत्र३॥आदिनवानकऊडया॥ ॥२यथयाः

कासनयावमिखासडनेथमसयबंडाक्रयानामक्रिथढावड
य॥१ॐनमशिखद्यगामिनिकुरुविमलखाहा॥थमकुनलंरव
ऊपरवंमिसामानके॥धनय॥ ॥२ॐहौंगवचिकुवनदुस्व
गस्वाहा॥थमकुनजायऊपरवंनकवेसमिद्धिया॥३ॐनं
मामाहनीचिंगमाहनीकामभाहनीसर्वसचिवभाहनी मीक
भाहनीशीवमाहनीयानभाहनी॥थमकुनविकनऊपरयावड
खावसथंविसंथनकसंमिसायानामक्रिथढावलिवनमथव

॥ ॥ चवदसक्रू निश्चयखवा॥ रयूचवयूजामाय॥ ॥ ३ ॥
ॐश्रीगुरुअक्ला॥ ॐ थकदा मदवूखलिखानिमालालयेथा
कामंकामानीवोलदमाखडिकद्रानिअनियामखदेश्रीगुरु
आक्ला॥ धामरु॥ डपत्रयथनिवसखमनकेआदितवान॥ ॥ २७
सिद्धिगुरुअक्ला॥ कामत्रसवूयावआयसचश्रीमाकदे
नसनखदिअसीदेकाकुलागमयिदेवूसवूयूचखकका
कुलागमयिदेवूगवूताकुलागनडीगिदेवूगवूसीश्रमा॥

नाभिद्विधनपादकासेवनपर्यंतश्रीमयंत्रमुद्रा
॥ ॥ॐ क्रौं क्रौं श्रीं युवं आं क्षं॥ क्रौं श्रीं वृद्धिदाय अमृतकवशा
नायसर्वज्ञाय॥ क्षं ८॥ यंयंयंकंतंजंपंयावज्ञनपादुका
क्रांयांवांयंशंषंकंमिसायानमद्भिःमंडलंहोंमिसाड
गंडयेम॥ क्षं २॥ ॥ग्रीं श्रीं युवं आं॥ नेंजांग्रीं क्ष
त्रंजंयंतीं डंहंस्वाहा॥ यमलुनंजंपंयंपंवंनिपंकंछिंछा
मोचनंजांथांजांत्रिंकंक्रमंकंमुंविंजंपंयावंनमोंमः

ॐ यक्षाय कपिलाय पिंगलाय फणिवरवपुषे नमः
यज्ञोपवीतिने नमः ॥ ॐ गुह्यकाय नमः मूर्ध्नि
जटाभाराय नमः ललाटे चन्द्रशेखराय नमः
भ्रुवोः कैलासवासिने नमः नेत्रयोः सूर्यलोचनाय
नमः कर्णयोः कुण्डलाभ्यां नमः मुखे सर्वान्नभोजिने
नमः दन्तच्छदे तांबूलरागरक्ताय नमः जिह्वायां
सर्वविद्याप्रदाय नमः कण्ठे सामगानप्रियाय नमः
बाह्वोः अनर्घमणिकेयूराभ्यां नमः हस्तयोः
नानाविधरत्नाढ्याय नमः हृदये पद्मनिधये नमः
उदरे सर्वरत्नाकराय नमः कट्यां व्याघ्रचर्मणे नमः
ऊर्वोः महाबलाय नमः जानुभ्यां विद्याधराय नमः
जङ्घाभ्यां गुल्फाभ्यां नमः पादयोः नखेषु
दिव्यौषधिप्रकाशाय नमः सर्वाङ्गेषु भस्मोद्धूलिताय नमः

ब्रह्म मिसायानाम क्रियं दाव ऊर्ध्व पाव धमक्रियाव स्वाः
वक्त्रनवानं॥ शनिश्चवाय॥ सोमवाय॥ ६७॥ ॐ भूर्भुवः
स्वः ॐ ब्रह्मविसज्ञ्रुल्ला॥ ॥ द्वि असद्विभाग्यो सत्रकव
नविनाविसिद्धियुज्ञ्रुल्ला॥ वेक्त्रनजवज्रपाव मिसायानं २०
मक्रियं दावस्वाः ॐ सर्वं विसर्वं धर्मं मे मिसास्वाः वक्त्रनवमः
॥ ब्रह्मन॥ डाकार्डशेषो॥ ॥ ॐ कामस्वरायस्वाहा॥ नाभू
वज्रवज्रयमन्द्र॥ डाकवज्रयक्षज्र२१॥ वसिकर्ष्णमन्त्र॥ सा ६॥

॥ ॥ रुं नमो जानि नमो पति नमो जन कानि हे जन
निवा नति वंजन कासि नदवयानि हो गुरु रया रो विनु
यि क्षविन् क्षवि नि दृ का मया ल कया लय लय. या हो का न कं
नय नय वा व क्षवि दे वि रु रू कि शकि मि नि रु कि म का सिद्धि
रू सा मन्त्र ॐ श्व र्व वा या वा वा र्द्धे नि कि वा चा ॥ ना ख मान के न
व ना ख मुख का ना वा ढ वं मुख ड ता रुद रे ख ऊ ध र्व मान क्रा म
व न म ख या ढा या ॥ क थ य म न्त्र ॥ द्र यि नि वा व या चि मि चि का:

३ यक ॥ कृ नकं भवा ॥ दृ गा रुद्र ॥ ७ ॥ ॥ २ ॥ ओ ऊ नि ओ ऊ नि दृ व
यऊ नि दृ वा व जा य न क सू खि वि वि ध को दलि स्वा या ज त्रि
अ गा नि रु व नि जा य न ये कू वि य व नि जा य ज त्र २ क द्रा य नि
अ ज ध्व स नि गु रू गा या नि जा ओ स म नि वु म सा न ज गा व य रू २८
ल म न ऊ ध्व ज या र्द्ध नि वा वा ॥ या ज मा ऊ नि ॥ य क नं न त्र कं भं व
॥ हृ यु नि रा चो भ व ॥ य यं भ व न क ॥ ॥ ज ग स् अ यि यं दि क दि
ऊ ज न म स्वं दि न क न्न न दि यो व ना द्र ऊ न न दे व वि भ ना २ न स्व

ॐ नमो अरिहंताणं नमो सिद्धाणं नमो आयरियाणं नमो उवज्झायाणं नमो लोए सव्व साहूणं ॥ एसो पंच नमुक्कारो सव्व पावप्पणासणो मंगलाणं च सव्वेसिं पढमं हवइ मंगलं ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीर वद्धमाण सामिस्स आगासगामिणी विज्जाहरी विज्जा साहेमि साहेमि सिद्धिं कुरु कुरु स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवओ अरहओ महइ महावीर वद्धमाण सामिस्स आगासगामिणी विज्जाहरी विज्जा साहिया सिद्धा सिद्धिं दिसंतु मम

लयङ्गमङ्गसङ्गुरुविच्छङ्जावलायया॥ मोलस्याकया.पूयम
कृत्या॥ भाय ०॥ ॥गमनवली.गमनथानि.सिद्धवधिनकोनर्त्त
ङ्कङ्कोवाजानार्गंपूलरक्षनागीयागमनविनगयें॥ थः
नायायङ्कीयानामकासस्खविच्छङ्जायनागयें॥ हूंनयूः २२
ङ्कयापेकस्याकया॥ थमङ्कनवृया॥ ॥गमनवासियागः
थानिसिद्धवधिनकोनस्थाङ्कङ्कोवाजानार्गंपूलेखनागीया
गमनविनगयें॥ थनायायङ्कीयानामकासस्खविच्छङ्जायना

ग्रथा॥ऊ॒ग्रन॒व्यू॒दया॒ग्रन॒स्या॒क्रया॒ग्रथ॒मन्ऊ॒न॒व्यू॒य॥ ॥ग्रथ
ग्रथ॒म॒ऊ॒स्व॒व॒स॒वा॒ड॒ग्रे॒य॒भ॒ग्रे॒व॒क्र॒मा॒ड॒ग्रु॒ष॒त्रे॒ग॒दा॒क्रु॒क्रु॒
म॒दा॒दा॒ख॒न॒क्रु॒न॒हा॒कि॒दे॒न॒म॒ऊ॒दि॒किल॒कं॒प॒ख॒डि॒स्रा॒व
जा॒ह्रो॒क्र॒ता॥म॒न्ऊ॒थ॥ग्र॒न॒ग॥ध्रु॒या॒न॒म॒न्ऊ॒थ॥वा॒काय॒व॒
ग्र॒व्या॒व॒ऽन॒न॒स्रु॒त्या॒न॒न॒स्त॒के॒स॒या॒डा॒क्र॒ति॒न॥ ॥य॒दि॒स्त
ग्र॒ल॒मि॒वा॒के॒ग्र॒का॒श॒य॒हि॒ग्रे॒दि॒च॒न्द्र॒वा॒के॒स॒र्ज॒य॒हि॒ग्रे॒दि॒मा
ता॒वा॒के॒पि॒त॒य॒हि॒ग्रे॒ऊ॒न॒क्र॒या॒के॒ग्र॒क॥ध॒म॒न्ऊ॒न॒म्रु॒क्रि॒सा॒या

वा॥ठ॥ठिनठाय वं कं नं मा या वृ यं कं मं कृ॥ जयजय क्षव ३॥ ॥
रमकमायरमकमायरमकमंकृगच्छगच्छत्यंरुमाकि
गच्छमाविमाविसमंकृतिलजाव॥ थमनलजामाकंलाकया॥
जागजाय॥ ॥रफुँ मनिवंधनिय मीशुयवूज्रक्षा॥ फुँ नमता ३०
ग्रंकुमागविग्रहायनासनी॥ कवचायकंगनचेय॥ ॥रफुँ ग्रन्
दवकुग्रंसादवाकिंडीवंधवूकियोनीवंधवूयंतनिवंधवू
रुंतनिवंन्धवूदूयिलाथ्रागजसंवंधवूरंगनसानन्दविधिया

ॐ ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः असि आ उ सा अमृते अमृतोद्भवे अमृतवर्षिणि अमृतं स्रावय स्रावय सं सं क्लीं क्लीं ब्लूं द्रां द्रीं क्रौं ग्रसय ग्रसय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते अमृतेश्वराय मृतसंजीवनाय मम जीवनाय जीवनाय अजरामरत्वं कुरु कुरु

ॐ॥ क्रमयात्रसाधकायत्रिस्वर्यंमंत्रवा॥ ॥ॐनमोभगवति
गरुडधनिकक्रमयाथसिद्धिरेसविद्यामक्षद्वरेहनरेजी
वनरेहरेश्वामरेश्॥ध्रुवंतेजंयुनिंतास्वाश्वायक्रमयातः
सत्यायस्वेश्वायत्रिस्वयंमंत्रवा॥ ॥ॐवंधरेकस्यरेजलरेरे
गगरेजकरेगकिरेद्विजीहरेहुस्वाहा॥अकागमंत्रं॥थक्रं
नंत्रयंत्रयंदायदागिनिरेयंयवमावक्रंनंथेयंदहिनावक्रं
नक्षया॥ ॥ॐकावहंकायमानिंत्रडगेयंणिमंगरुहक्षव

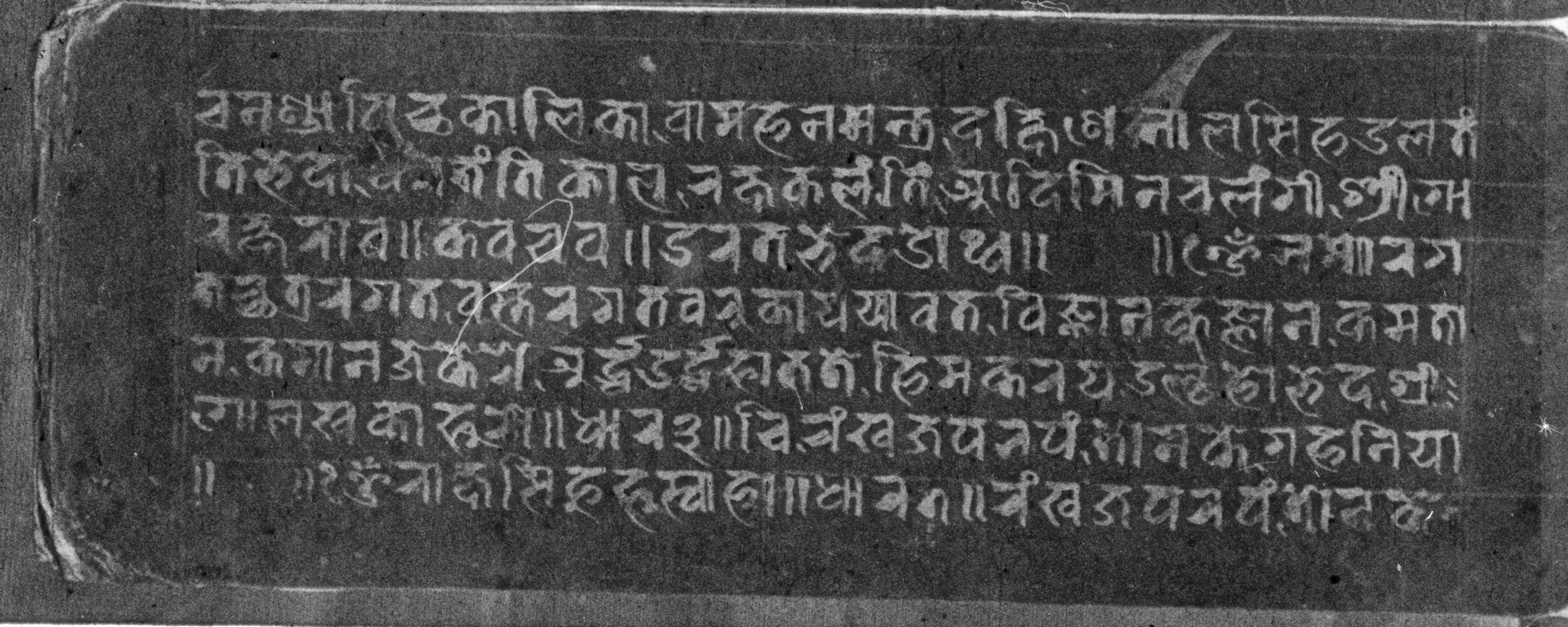

यक्षराक्षसाय॥ ॥ॐकुँ ज्वालादिदुँदुरुस्वाहा॥अव२॥
मनदूकयक्षागराय॥ ॥ॐकुँ गुँरुस्वाहा॥अव३॥घोरया
गरुडाय॥ ॥ॐकुँ स्वर्णसिंहरुरुस्वाहा॥अव४॥विनायक
यक्षनायकयाजगत्रयाय॥ ॥ॐकुँ किंकिणिशुचिरुरुस्वाहा ३३
॥अव२॥वासुकयानागराय॥ ॥ॐकुँ किंरुस्वाहा॥अव३॥
यक्षराजयजयवासुयक्षार्थेन॥ ॥ॐयक्षराजरूपाय॥गंगंगंसर्व
ज्ञातदमासचामतिनिरुपद्रविअनदियदिदवानिअलिगए

लिजाठि न्द्र कनजानि.ह्मसिद्धिश्रूयादका॥ क्षत्र३॥वलावान
त्लींवज्रयत्नर्यंथानत्वलावयक्का॥ ॥ह्कुंघत्रअक्ष॥ अथ
ग्रहसिनास्वंदत्नदंगरियंभीलयथत्नखाडशिखंडलंवि
समजिनजालयियं॥ ध्यत्नउ॥वसतनसकथ॥ ॥ओम
वत्नयजमवघुवासरमलाछदिमसानवाचंतेमसानक
मानिवलसखानिवछत्नमहक्रयाभोत्नवतांयमछंत्यकय
शंसक्रयमहछाद्यंत्नयमनिर्द्यंत्यानिसाडवजकाकानोसोह

वा
वकत्रदानुकत्रओंसष्ठिआमिनिहछेनायत्रकत्रमन्त्रजाप्ति
तानसिद्धविनभविअक्षरत्वा॥ओंनमः॥ॐवज्रयक्षयावलो
कवचनाथ॥ॐकवचायमन्त्र॥ ॥ह्रूंह्रूंह्रूंफौंहुहुहु
सर्वज्ञवसकत्रस्वाहा॥धमन्त्रनभवयासिद्धविन्चयवस॥
॥ ॥हुयानमउयाक्रोधजानकवचनवनसवमाकेयुनदे
विमन्त्रजाजाहिकीसिद्धं॥नमस्तेवज्रवज्रेजवज्रेक्रिसिनाः

सर्वार्थसिद्धिनिवासाय स्वाहा ॥ सर्वार्थसाधनाय
सर्वार्थमेव मे सिद्धं कुरु स्वाहा ॥ ॐ वज्रदण्डाय स्वाहा ३२
वज्रहस्ताय वज्रयक्षाय ॥ ॐ पद्मदण्डाय स्वाहा २०
राजपुत्राय ॥ ॐ वज्राग्निवज्रकवाले वज्राग्निनीलवाः ३३
सम्बन्धिनीलाहाय किलय वज्राग्निकीलाय ॥ वज्र
जिह्वीलाहाय किलय किलय वज्रदियाय योगिकीलाय ॥ वज्रि

ओं ह्रां क्रिं सः क्रिं अस्त्राय वषट् वां नः क्रिं अस्त्राय हुं फट्। ॐ वज्रजिह्वो ज्वल ज्वल
यः क्रिं सः क्रिं अस्त्राय धूमी हं ज्ञ न क्रिं अस्त्राय हुं फट्। ॐ वज्रजिह्वो ज्वाल मालिनि क्रिं
सः क्रिं अस्त्राय नाभि मालक अस्त्राय वौषट्। अस्त्राय हृदि अन्त अस्त्राय वज्र कौमारि
नर्क माल जय २ विघ्न कय ज्वा ज्वालिनि क्रिं अस्त्राय शिखायै वषट्। ॐ नमो
ज्ञ त्वा रस नाँ पञ्च थ. थ व व न या व. सिध्य न तिया व ज्व
ाला न म के च क. ज्ञ न त्वा रस चा न ज्वालिनि ज्वल ह न। वज्रार्य

॥ ॥ॐ ह्रीं गिनि श्रिक्लीं विघ्नायकेभ्यः स्वाहा॥ ॐ नमः
स्तम्भ पूर्ण भव अक्रान्त भव दायक गच्छ धनदाय॥ ॥स्कुं
नमो महायक्षाय सर्व सत्रु क्षय॥ ॥ॐ ह्रीं गिनि श्रीं गिनि
श्रवण सिनि श्रैं श्रैं श्रैं स्वाहा॥ ॐ॥ ॐ ह्रूं नमो भगवन
पंचवक्त्र विघ्नान्तकाय श्रीं॥ ॥ह्रूं स्तुं सत्यं गमसत्रुं॥
श्रमस्तम्भ भव भव पंचवक्त्र विघ्नान्तकाय॥ ॥मम

ॐ मिलीसी स्वाहा॥ ॐ छौं वं ह्रं नि रुं ति स्वाहा॥ नि काय वाक् मि
नियां॥ ॥ ॐ चं ल २ चल ग छे २ स्वाहा॥ वल ल वय के॥ ॥
ॐ जा क्षेय स्वाहा॥ धर्म दाय के बाधय भावी दायां
नय ढ्वाव धर्म दवत के॥ ॥ ॐ हृदय रुं ठ न स्वाहा॥ ६ २१
कि वन घन वास थ दिलि का दिलि वलि विरा मिनौं मि सा नौं न
मया ढ्वन सं नस्थ दृजा॥ ॥ ॐ क जीश्व ना॥ ॐ तौं न ब्रूं रुं

हृदयाय हुँ कवचाय नमः शिखायै हुँ नेत्रत्रयाय वौषट् अस्त्राय फट्
नमः गङ्गायै ॥ यमुनायै नमः नर्मदायै नमः गोदावर्यै नमः सरस्वत्यै नमः
॥ ॥१ ॐ हुँ हृदयाय नमः स्वाहा ॥ द्वा नमः ॥ ॥२ ॐ हुँ न
मः स्वाहा ॥ द्वि नमः वषट् ॥ ॥१ ॐ वौं जाँ त्रि काल
ज्ञानमयी च्रकाया वलाहा क नमः ऊर्ध्व ऊर्ध्वतरा ऊर्ध्वतम
कोटरायै नमः ज्वालामालिन्यै नमः वज्रदंष्ट्रायै नमः वज्रनखायै नमः
नमः ॥ ॥सर्वतत्त्वमिति दमा नवि वद्धलिं गृह्णलि गृह्णा

२२ ह्रां मालिविद्यदन॥ ॐ नमो खड्गमालाधराय ॐ नमो
ह्रीं विद्युज्जिह्वाय ॐ नमो वज्रदंष्ट्राय॥ ॐ नमो वज्रनखाय ॐ नमो
नारसिंहरूपधराय नमो वज्रपक्षाय ॐ नमो वज्रमुखाय
अयं ध्यं॥ ॥ॐ क्रौं क्रौं क्रौं कामदवायनमः॥ नृवंसडुप्रयं
॥ ह्रैं ॥खगमुखस॥ ह्रैं ॥नृगजस॥ क्रौं क्रौं॥ ज्रलिगलया
वज्रसमानकवस॥ ॥क्रौंमाक्रौंक्रौं क्रौं॥ थमस्तनछउं ३६

वशीकरणकवशं ॥ ॥ॐ क्रौं क्रौं कालिरमालाकालिवज्रचक्षुनि
ऊलरथनमालानिनाऊध्रुवावसकानि४असाधमाधनिऊऊः
गैलनिनामत्रमनि४ऊशिगत्रसमावसक्रमनिप्रेमोमश्वनिः
॥धमस्कनऊध्रुवय॥सिकाया२न्त्रीदद्धरुयावःआदित्यवानकूद्ध
मिरिय.धनविनऊवक्रसमस्कमालानि॥ ॥कमलाचला
नयामूखूनिलानरणगुगुलिगाऊरणऊंगानवोंकूद्ध.लामर्यं
त्र

यस्यानङ्कारावयुगुलिङनालानिनजाढावमसदायथम
न्नुनजपयावन्मन्नुथा।ॐक्लींह्रींस्त्रूंमकिंअकर्षेस्वाहा॥थ
थ्रींध्रांनरुनालोमयायसर्व्वलालानिववा॥ ॥सिद्धिगुरुआ
ज्ञा॥ॐस्यंमकुवदलागलभस्यंशुक्लकाथकाथभेस्यंमकुत
लागलकाथकाथशुक्लकाथवायवङ्कयधिगुरुवाजानयि
कान्मुनदविकाविद्याविद्धिविद्यासिद्धिविद्यासिद्धिगुरुआज्ञा

॥ॐनमः३॥ॐनमःस्वयंभवेदायःऽगुरवेदायसमःश्री
॥ ॥सद्गुरुःऽश्रः॥खनःरखदेखादिलेनंकालछुषः
यधिवऽकंकपालेऽियतलमतियाभिवःउसमःऽपाल
दक्षिनलाथंदक्षिनयाचःनकवलमयवलऽथंवानः
नथंऽवा॥ॐनम॥विमायकधा॥डालिनेकडालयः
निऽसाकऽमःकाधकऽकमनधियवयेनधावयकम
ॐवय॥सद्वेसनलाॐवलतीयाथंयाथंसायाखिखालि

कायमरुयकं सिद्धिगुरुआज्ञा॥गरुलमन्त्र॥ ॥
ॐगुरुआज्ञा॥कालिरमाहाकालिक्रौंक्रौंहुंगुह्यकालिक
विनम॥अन३॥ॐमहोवाउग्रवायवनकेनादिमसाढ
यासानिव॥ ॥एकामीनसउग्रयलचन्द्रिकविग्रयलहा
थकनिःॐबलखचिहीमबलहिमबलहुकउकमोवा
लेवाद्यबलवीजनमर्थजनसर्व्वाकढ्वसीकरणयान
ढायाजाथीनाउमाहनीथागुरुवनम॥अन३॥धमन्त्र

नयकनऊपावथवमालसमस॥मिसायाझेथियवसऊ
गा॥ ॥उलभीगुलीऊखऊवासनवनखयाकूलरुयावरु
नीमानयखमासिद्धिकामासविद्यागीगुरुवाऊजाना॥धानउ॥श
मऊनधवखनसरोतनयावऊऊपावथमरोयतिनकमारु
नी॥ ॥कामूनथ्रआयिनवछिनऊदियानानखछिऊल
दियामाछालागऊमिदवूवनसकऊाछलालगमयिदवूवा
छकलागकूकूनदवूसगकलालगमनिरुकिगुरुकथाकि

श्रीगुरुआज्ञा॥ ध्यान॥ चिउपावन कवस
ज्ञा॥ ॥ॐ श्रीगुरुआज्ञा॥ मकाताल मकाबंधन मकाकवि
सर्वमिश्चवसियायवाभि॥ ध्यान३॥ चिउपवंनकवस॥ ॥
श्रीगुरुआज्ञा॥ मनचावयजनचावयनचावयज्ञव
जीवावतीसआज्ञा श्रीगुरुसआज्ञा॥ ध्यान॥ चिउपवंमाय
कवजाज्ञा॥ ॥श्रीगुरुआज्ञा॥ जाउमाहनी जगतमाहनी
सचउमाहनी सिद्धियचमहंथवभहनी॥ ध्यान२॥ सिधचउ

प्रथमभैरवमिसानेचकवस॥ ॥श्रीगुरुआज्ञा॥ॐनमः
यानादखलधाकनसिद्धिगुरुमछगुरुआज्ञाकालिकावलः
प्रसादकामनासिद्धि॥धानऽ॥धमछुनचकऽयनयावथमैंत
नेमिसाकनवसभैरवकेवलवसइन्नो॥ ॥गाऽधावयमन
धावयलाथधावयमनधावयनागनाऽधावयश्रीधावयसि
द्धिगुरुमछगुरुआज्ञागवतीयाद्वैतिआज्ञासिद्धि॥चेकनऽ
प्रथ॥धानऽ॥धमभैनेमिसंकनकेवस॥ ७ ॥श्रीगुऽ

ओङ्कारसमधिसमधिसमङ्ववंधकगुरुकऽागिधीनगत
वचेवलगतसरनकामवूकेविद्याकामनासिद्धिभवनि॥धा
नऽ॥धवऋनामलायाहिनकावदछिर्यंभोहानिरुयाव
धमन्छनऽउयावमिसाकचकवस॥ ॥ॐश्रीवगछय ४२
मानायसरनयवनऋवाछेयऽंमनाकैरुदुखाला॥चिकृना
यचाऽकतऽउयवैनकै॥धमन्छनंधऋंसमेकीरुऽउवस
चायपिवलीकासधनऽमादऽुयखवऽुयावचानछावमा

मङ्ग॥ ॥अकटविकट१००॥मलनदायकमन्त्रश्च॥ ॥
ॐनखनृसिंहायनमः॥ॐॐकटविकटडाडलविनाश
नृसिंहायनमः॥ॐॐकटखरविकटमर्दनअरिनृसिं
हायनमः॥ॐनादविद्रुमरुलानिकाशनहि॥श्च
मोयनमः॥गडनजडनकलयानसयय॥ ॥ॐक्रौंक्लमा
लवलमहेश्वरीमानसअमकुलमनमोंनेंक्रौंक्रौंस्वाहा॥
अनडा॥येकनडवलावनजकवसिकघू॥ ॥ॐमकट

- श्रीजोगी ईंद्रीस्वाहा॥ चेकनडुचंमर्द्दनयाय वशीकर्द्धे॥ ॥
ईंनमोलगवंभजरुभा त्यंयवद्धिनाडायम२हयनास
यर२धंधंईंदृढ़स्वाहा॥ दयसकयजंजनजंनडुवेवासाउ
यमानाडाढ़॥ सजलजूदमंमन्थ॥ ॥ईंसिद्धिऊंजूंआ ४३
स्वा॥ मूलदवदाढ़ंछजखावकंलालानस्वायलिवन्यढ़वं
डाढ़वलिछउंसिंदवकायकंस्वायमूलदवदथ्वयलिव
नलालाछजाउंजीवैकेयूवननंजविथविनयावलमंद्र